डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं सीखने के परिणाम

सी.बी.सी.एस.

दर्शनशास्त्र विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन शाला

दर्शनशास्त्र विभाग

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं सीखने के परिणाम

प्रथम सेमेस्टर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

2021—22

प्रथम सेमेस्टर

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – I	PHL-CC-121	पारम्परिक एवं समकालीन भारतीय दर्शन –A	5 0 0 5
कोर कोर्स – II	PHL-CC-122	पारम्परिक एवं समकालीन पाश्चात्य दर्शन –A	5 0 0 5
कोर कोर्स – III	PHL-CC-123	भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र -A	5 0 0 5
इलेक्टिव कोर्स			
इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-EC-121	राजदर्शन	4 0 0 4
इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-EC-122	समाजदर्शन	4 0 0 4
इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-EC-123	तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति	4 0 0 4

पारम्परिक एवं समकालीन भारतीय दर्शन –A

कोर्स	**पेपर कोड**	**प्रश्नपत्र का नाम**	L T P C
कोर कोर्स – I	PHL-CC-121	पारम्परिक एवं समकालीन भारतीय दर्शन –A	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. भारत की महान दार्शनिक परम्परा के कारण ही भारत को विश्व गुरू कहा जाता रहा है। इस महान परम्परा के सामान्य परिचय से दर्शन के विद्यार्थियों को अवगत कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।
2. वैदिक एवं अवैदिक दर्शन के उद्गम, विकास, सामान्य विशेषताओं एवं उनके प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्तों की प्रगत समझ विद्यार्थियों में विकसित करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।
3. दर्शनशास्त्र को राज्यों एवं संघ की लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में लेने वाले विद्यार्थियों के सहायतार्थ यह पाठ्यक्रम है।
4. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामान्य ज्ञान के अन्तर्गत भारतीय दर्शन से सम्बन्धित पूँछे जाने वाले प्रश्नों को समाहित करता हुआ पाठ्यक्रम।

परिणाम :

1. इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थी भारतीय दर्शन के उद्भव एवं विकास से परिचित होगा साथ ही भारतीय दर्शन की प्रमुख सामान्य विशेषताओं प्रमुख रूप से कर्मवाद, संसारवाद, ज्ञान–मोक्षवाद के प्रति विद्यार्थियों की समझ बढ़ेगी।
2. वैदिक एवं अवैदिक दर्शन के सम्प्रदायों के प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्तों को विद्यार्थी समझेगा और इन सर्वकल्याणकारी सिद्धान्तों को जीवन में व्यवहारिक तौर पर अपनाने का प्रयास करेगा।
3. प्रतियोगी परीक्षाओं में भारतीय दर्शन से सम्बन्धित प्रश्नों के सही उत्तर देने में विद्यार्थी सक्षम होगा।

पारम्परिक एवं समकालीन पाश्चात्य दर्शन –A

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – II	PHL-CC-122	पारम्परिक एवं समकालीन पाश्चात्य दर्शन –A	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को पाश्चात्य दर्शन के विभिन्न युगों की प्रमुख विशेषताओं और उन युगों में विकसित परम्परागत एवं आधुनिक पाश्चात्य दर्शन की प्रमुख धाराओं व विचारकों का ज्ञान कराना है। इस विषय से सम्बन्धित प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विद्यार्थी को सक्षम बनाना है।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी की पाश्चात्य दर्शन के ग्रीक युग, मध्ययुगीन दर्शन एवं आधुनिक काल के बुद्धिवाद, अनुभववाद एवं समीक्षावाद के दार्शनिक चिन्तन की प्रगत समझ विकसित होगी। साथ ही साथ पश्चिमी दर्शन के बरक्स आधुनिक सभ्यता के पीछे की तत्वमीमांसीय एवं ज्ञानमीमांसीय पृष्ठभूमि को विद्यार्थी सफलता पूर्वक समझ सकेंगे। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं में पूँछे जाने वाले पाश्चात्य दर्शन से सम्बन्धी प्रश्नों के सही उत्तर देने में छात्र सक्षम बन सकेगा।

भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र -A

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – III	PHL-CC-123	भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र -A	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
ऐसा माना जाता है कि पश्चिम में नैतिक दर्शन का विकास जितना व्यवस्थित रूप से हुआ है उतना व्यवस्थित नैतिक दार्शनिक चिन्तन भारतीय परम्परा में नहीं किया गया है। यह एक भारतीय दर्शन के प्रति औपनिवेशिक दृष्टि है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारत में नैतिक दार्शनिक चिन्तन की शिथिलता वाली औपनिवेशिक समझ का अनावरण कर भारतीय दर्शन परम्परा में अन्तर्निहित नैतिक दार्शनिक चिन्तन की मूलभूत अवधारणाओं जो वैदिक एवं श्रमण परम्परा में विकसित हुए हैं, उससे विद्यार्थियों को विधिवत अवगत कराना है।

परिणाम :

आज पूरी दुनियाँ में मोरल–एकरेसिया (नैतिक तटस्थता) की समस्या उत्तरोत्तर गंभीर होती जा रही है। अतः इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने से विद्यार्थियों में नैतिक चेतना का विकास हो सकेगा और साथ ही साथ संस्कृतिनिष्ठ नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता समुन्त हो सकेगी। उच्च्य प्रशासनिक सेवा से सम्बन्धित प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से भी यह पाठ्यक्रम उपयोगी है।

राजदर्शन

कोर्स	**पेपर कोड**	**प्रश्नपत्र का नाम**	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-EC-121	राजदर्शन	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण से राज्य की उत्पत्ति सम्बन्धी सिद्धान्त संप्रभुता, अधिकार, राष्ट्रीयता, अन्तर्राष्ट्रीयता, न्याय, समता, स्वतंत्रता आदि के सम्बन्ध में दर्शन की भूमिका के प्रति विद्यार्थियों में आलोचनात्मक समझ को उत्पन्न करना है।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन कर विद्यार्थियों में राज्य, अधिकार, न्याय, समता, स्वतंत्रता, राष्ट्रीयता, अन्तर्राष्ट्रीयता आदि के सम्बन्ध में एक समझ उत्पन्न हो सकेगी। अधिकार, कर्तव्य, न्याय एवं समता आदि के सम्बन्ध में निष्पक्ष सजगता एवं समझ पैदा हो सकेगी। उच्च प्रशासनिक सेवा से सम्बन्धित प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से भी यह पाठ्यक्रम उपयोगी है।

समाजदर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-EC-122	समाजदर्शन	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य उन सामाजिक सम्बन्धों को प्रस्तुत करना है जो मूल्य एवं नैतिकता आदि पर आधारित होते हैं। सामाजिक संस्थाएँ जैसे कुल, विवाह, धर्म, भाषा, समुदाय, संगठन, विघटन, लोकसंग्रह एवं लोकसंघर्ष आदि महत्वपूर्ण अवधारणाओं के रूप में हमारे बीच मौजूद सामाजिक अन्तः क्रियाओं पर निर्भर करती हैं इन्हें जमीन पर उतारने के लिए उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। जिसे समाज दर्शन ही पूरा करने का प्रयास करता है।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम का अध्ययन सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थियों में सामाजिक गतिशीलता के निर्धारक सिद्धान्तों और अवधारणाओं को प्रति एक प्रगत समझ विकसित हो सकेगी। वह सामाजिक सम्बन्धों के सर्वोच्च आदर्शों का निरूपण कर मानव जीवन को अधिक सुखमय एवं प्रकार्यात्मक बनाने के लिए अपने को आत्मचेतन रूप से तैयार कर सकेगा।

तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-EC-123	तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रगत तार्किक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता को विकसित करना है। आज के जीवन की जटिल होती जा रही परिस्थितियों में उचित निर्णय एवं वस्तुनिष्ठ समझ के लिए उच्च स्तर की तार्किक विश्लेषणात्मक क्षमता का होना एक अनिवार्य योग्यता के रूप में स्वीकृत है। तर्कशास्त्र एवं वैज्ञानिक पद्धति से दर्शन एवं दर्शनेत्तर विद्यार्थियों के लिए उपर्युक्त उद्देश्य से ही इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी :

1. विद्यार्थियों में तार्किक दृष्टि से सोचने व समझने की क्षमता विकसित होगी। विशेषतः आगमन, निगमन, सत्यता, वैधता, विरोध वर्ग व अव्यवहित अनुमान आदि की आवधारणा को समझना।
2. न्याय वाक्य की संरचना व नियम दोष आदि के अध्ययन के उपरान्त वैध तर्क और अवैध तर्क में भेद सुनिश्चित कर पायेंगे।
3. आगमन एवं तत्तसम्बन्धी नियमों के अध्ययन से एक सामान्य निष्कर्ष पर कैसे पहुँचा जाये यह समक्ष विकसित होगी।
4. विद्यार्थियों को परीक्षाओं में तो सफलता प्राप्त होगी ही साथ ही साथ भाषा की शुद्धि एवं शोध में सही पूर्वकल्पना बनाने व वैज्ञानिक ढंग से व्याख्या करने में भी इस प्रश्न–पत्र का अध्ययन सहायक होगा।

दर्शनशास्त्र विभाग

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं सीखने के परिणाम

द्वितीय सेमेस्टर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

2021—22

द्वितीय सेमेस्टर

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – I	PHL-CC-221	पारम्परिक एवं समकालीन भारतीय दर्शन – B	5 0 0 5
कोर कोर्स – II	PHL-CC-222	पारम्परिक एवं समकालीन पाश्चात्य दर्शन – B	5 0 0 5
कोर कोर्स – III	PHL-CC-223	भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र -B	5 0 0 5
इलेक्टिव कोर्स			
इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-EC-221	राजदर्शन	4 0 0 4
इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-EC-222	समाजदर्शन	4 0 0 4
इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-EC-223	तर्कशास्त्र	4 0 0 4
ओपन इलेक्टिव कोर्स			
ओपन इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-OE-225	व्यावहारिक नीतिशास्त्र	2 0 0 2
ओपन इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-OE-226	तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति	2 0 0 2
ओपन इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-OE-227	धर्मदर्शन	2 0 0 2
ओपन इलेक्टिव कोर्स -IV	PHL-OE-228	मानव अधिकार दर्शन	2 0 0 2

पारम्परिक एवं समकालीन भारतीय दर्शन –B

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – I	PHL-CC-221	पारम्परिक एवं समकालीन भारतीय दर्शन –B	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. सैकड़ों वर्षों के पराधीनता काल में भारतीय दार्शनिक चिन्तन धारा भी दब सी गई थी। जो पुनर्जागरण काल में पुनः प्रस्फुटित होती दिखती है। इसी के दृष्टिगत इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य समकालीन भारतीय की प्रमुख विशेषताओं एवं प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को परिचित करना है।
2. कुछ मुख्य भारतीय दार्शनिकों के समसामयिक महत्त्व के प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्तों के प्रति विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।
3. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का समकालीन भारतीय दर्शन से सम्बन्धित सहायक सामग्री एवं समझ प्रदान करना।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर :

1. विद्यार्थियों में समकालीन भारतीय दर्शन की प्रमुख प्रवृत्तियों प्रमुखतः मानवतावादी, अद्वैतवादी एवं इहलौकितावादी प्रवृत्तियों के प्रति समझ बडेगी जिसमें परम्परागत भारतीय दर्शन की अध्यात्मवादी व आधुनिक समय की इहलौकितावादी दृष्टियों का समन्वय है।
2. समकालीन दार्शनिकों के द्वारा प्रदत्त समसामयिक समस्याओं के निदान स्वरूप प्रमुख सिद्धान्तों जिन्हें इन विचारकों ने स्वयं वास्तव में सिद्ध किया को समझकर विद्यार्थी इन समस्याओं को व्यवहारिक तोर पर सामना करने में सक्षम होंगे तथा मानसिक शान्ति को प्राप्त करेंगे।
3. प्रतियोगी परीक्षाओं में समकालीन भारतीय दर्शन से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होंगे।

पारम्परिक एवं समकालीन पाश्चात्य दर्शन –B

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – II	PHL-CC-222	पारम्परिक एवं समकालीन पाश्चात्य दर्शन –B	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. सैकड़ों वर्षों के पराधीनता काल में भारतीय दार्शनिक चिन्तन धारा भी दब सी गई थी। जो पुनर्जागरण काल में पुनः प्रस्फुरित होती दिखती है। इसी के दृष्टिगत इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य समकालीन भारतीय की प्रमुख विशेषताओं एवं प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को परिचित करना है।
2. कुछ मुख्य भारतीय दार्शनिकों के समसामयिक महत्त्व के प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्तों के प्रति विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।
3. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का समकालीन भारतीय दर्शन से सम्बन्धित सहायक सामग्री एवं समझ प्रदान करना।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर :

1. विद्यार्थियों में समकालीन भारतीय दर्शन की प्रमुख प्रवृत्तियों प्रमुखतः मानवतावादी, अद्वैतवादी एवं इहलौकितावादी प्रवृत्तियों के प्रति समझ बड़ेगी जिसमें परम्परागत भारतीय दर्शन की अध्यात्मवादी व आधुनिक समय की इहलौकितावादी दृष्टियों का समन्वय है।
2. समकालीन दार्शनिकों के द्वारा प्रदत्त समसामयिक समस्याओं के निदान स्वरूप प्रमुख सिद्धान्तों जिन्हें इन विचारकों ने स्वयं वास्तव में सिद्ध किया को समझकर विद्यार्थी इन समस्याओं को व्यवहारिक तोर पर सामना करने में सक्षम होंगे तथा मानसिक शान्ति को प्राप्त करेंगे।
3. प्रतियोगी परीक्षाओं में समकालीन भारतीय दर्शन से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होंगे।

भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र -B

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – III	PHL-CC-223	भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र -B	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय एवं पाश्चात्य नैतिक चिन्तन से सम्बन्धित मूलभूत अवधारणाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना है। पश्चिमी नैतिक चिन्तन के तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में योग दर्शन, संवेगवाद, नियोजनवाद, काण्ट का नीतिशास्त्र, अधिकार, कर्तव्य एवं न्याय की अवधारणा एवं श्रमण परम्परा के नैतिक चिन्तन से विद्यार्थियों को परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का विशेष उद्देश्य है।

परिणाम :
आज पूरी दुनियाँ में मोरल–एकरेसिया (नैतिक तटस्थता) की समस्या उत्तरोत्तर गंभीर होती जा रही है। अतः इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने से विद्यार्थियों में नैतिक चेतना का विकास हो सकेगा और साथ ही साथ संस्कृतिनिष्ठ नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता समुन्त हो सकेगी। उच्च प्रशासनिक सेवा से सम्बन्धित प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से भी यह पाठ्यक्रम उपयोगी है।

राजदर्शन

कोर्स	**पेपर कोड**	**प्रश्नपत्र का नाम**	**L T P C**
इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-EC-221	राजदर्शन	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण से राज्य की उत्पत्ति सम्बन्धी सिद्धान्त संप्रभुता, अधिकार, राष्ट्रीयता, अन्तर्राष्ट्रीयता, न्याय, समता, स्वतंत्रता आदि के सम्बन्ध में दर्शन की भूमिका के प्रति विद्यार्थियों में समझ एवं दृष्टिकोण को उत्पन्न करना है।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन कर विद्यार्थियों में राज्य, अधिकार, न्याय, समता, स्वतंत्रता, राष्ट्रीयता, अन्तर्राष्ट्रीयता आदि के सम्बन्ध में एक समझ उत्पन्न हो सकेगी। अधिकार न्याय एवं समता आदि के सम्बन्ध में भी उनके एवं अन्यों के सम्बन्ध में भी निष्पक्ष सजगता एवं समझ पैदा होगी। उच्च प्रशासनिक सेवा से सम्बन्धित प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से भी यह पाठ्यक्रम उपयोगी है।

समाजदर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-EC-222	समाजदर्शन	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य उन सामाजिक सम्बन्धों को प्रस्तुत करना है जो मूल्य एवं नैतिकता आदि पर आधारित होते हैं। सामाजिक संस्थाएँ जैसे कुल, विवाह, धर्म, भाषा, समुदाय, संगठन, विघटन, लोकसंग्रह एवं लोकसंघर्ष आदि महत्वपूर्ण अवधारणाओं के रूप में हमारे बीच मौजूद सामाजिक अन्तः क्रियाओं पर निर्भर करती हैं इन्हें जमीन पर उतारने के लिए उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। जिसे समाज दर्शन ही पूरा करने का प्रयास करता है।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम का अध्ययन सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थियों में सामाजिक सिद्धान्तों और धारणाओं को प्रति समझ विकसित हो सकेगी। वह सामाजिक सम्बन्धों के सर्वोच्च आदर्शों का निरूपण कर मानव जीवन को अधिक सुखमय एवं प्रकार्यात्मक बनाने का संकल्प कर सकेगा।

तर्कशास्त्र

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-EC-223	तर्कशास्त्र	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
विशेषतः प्रतियोगी परीक्षाओं के दृष्टिगत यह कोर्स बनाया गया है। जैसा कि विदित है तर्कशास्त्र आज सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का अंग है। इसी के दृष्टिगत जो विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाने में यह पाठ्यक्रम सहायक होगा। साथ ही विद्यार्थियों में एक तार्किक सोच विकसित हो, इस प्रश्नपत्र के अध्यापन का यही उद्देश्य है।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी :

1. विद्यार्थियों में तार्किक दृष्टि से सोचने व समझने की क्षमता विकसित होगी विशेषतः आगमन, निगमन, सत्यता, वैधता, विरोध वर्ग अव्यवहित अनुमान आदि की आवधारणा को समझना।
2. न्याय वाक्य की संरचना व नियम दोष आदि के अध्ययन के उपरान्त वैध तर्क और अवैध तर्क में भेद सुनिश्चित कर पायेंगे।
3. आगमन एवं तत्तसम्बन्धी नियमों के अध्ययन से एक सामान्य निष्कर्ष पर कैसे पहुँचा जाये यह समक्ष विकसित होगी।
4. विद्यार्थियों को परीक्षाओं में तो सफलता प्राप्त होगी ही साथ ही साथ भाषा की शुद्धि एवं शोध में सही पूर्वकल्पना बनाने व वैज्ञानिक ढंग से व्याख्या करने में भी इस प्रश्न–पत्र का अध्ययन सहायक होगा।

व्यावहारिक नीतिशास्त्र

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
ओपन इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-OE-225	व्यावहारिक नीतिशास्त्र	2 0 0 2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेषकर दर्शन एवं दर्शनेत्तर विद्यार्थियों को व्यवहारिक समस्याओं जैसे – दया–मृत्यु, गर्भपात, क्लोनिंग एवं नस्लभेद आदि के विभिन्न गंभीर पक्षों से अवगत कराना है। साथ ही साथ इन समस्याओं के सन्दर्भ में विद्यार्थियों में अपना नैतिक पक्ष प्रस्तुत करने एवं नैतिक निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करना है।

परिणाम :

पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थियों में व्यवहारिक समस्याओं जैसे – दया–मृत्यु, गर्भपात, क्लोनिंग, भ्रूण परीक्षण एवं नस्लभेद आदि जो कि अनिर्णीत हैं, उनके सन्दर्भ में उनकी उचितता एवं अनुचितता के पक्ष में विद्यार्थियों में नैतिक निर्णय लेने की क्षमता विकसित हो सकेगी।

तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धतियाँ

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
ओपन इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-OE-226	तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति	2 0 0 2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

तर्कशास्त्र और गणित के आधारभूत नियम आज प्रतियोगी परीक्षाओं के अंग हैं। इस बात को दृष्टिगत रखते हुए इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। ताकि जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं उन्हें इस पाठ्यक्रम से अध्ययन में सहायता प्राप्त हो।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन सफलतापूर्वक करने पर विद्यार्थयों में शुद्ध तार्किक चिन्तन की क्षमता का विकास होगा। युक्ति के आकार व परीक्षण विधि को समझकर सही और गलत युक्तियों में भेद करना आसान होगा। प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र की समझ विकसित होने वा भाषा की अस्पष्टता तो दूर होगी ही भाषा का सरलीकरण व संक्षेपीकरण भी होगा।

मिल की विधियाँ कार्य कारण विधि की खोज में सहायक होगीं। जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं उन्हें सफलता दिलाने में इस प्रश्नपत्र का अध्ययन सहायक सिद्ध होगा।

धर्मदर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
ओपन इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-OE-227	धर्मदर्शन	2 0 0 2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य धर्मों के प्रति दार्शनिक समझ को विद्यार्थियों में विकसित करना है। साथ ही साथ किसी भी धर्म के मूलभूत तत्त्वों जैसे धार्मिक विश्वास का स्वरूप, विशेष रूप से मानव जीवन में धर्म का स्थान, ईश्वर के तात्विक एवं नैतिक गुणों, आत्मा की अमरता, अशुभ की समस्या और जीवन के चरम लक्ष्य इत्यादि से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने से छात्रों को धार्मिक अन्धविश्वास, परम्पराओं और रूढिवाद से उनकी चेतना मुक्त हो सकेगी और धार्मिक सहिष्णुता एवं सद्भावपूर्वक जीवन जीने की समझ व कला विकसित हो सकेगी। साथ ही साथ छात्र यह भी सुनिश्चित कर सकेंगे कि मानव जीवन में धर्म का क्या स्थान है?

मानव अधिकार दर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
ओपन इलेक्टिव कोर्स -IV	PHL-OE-228	मानव अधिकार दर्शन	2 0 0 2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

यह पाठ्यक्रम अधिकारों के सम्बन्ध में दर्शन एवं संविधान की भूमिका से अवगत कराने से उद्देश्य से निर्मित किया गया है। विद्यार्थियों में मौलिक अधिकार, कर्तव्य, अधिकार के सम्बनध में सरकारी और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका से परिचय कराना है। साथ ही साथ अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार संरक्षण सम्बन्धी संस्थाओं की भूमिका के बारे में भी जागरूकता प्रसारित करना है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से दर्शनेत्तर विद्यार्थियों के लिए है ताकि वे दर्शन की भूमिका से अवगत हो सकें।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थी अधिकारों के संरक्षण के सम्बन्ध में भारतीय संविधान की भूमिका से परिचित हो सकेगा। साथ ही साथ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सरकारी और गैर सरकारी मानवअधिकार संरक्षण संस्थाओं के सम्बन्ध में परिचित हो सकेगा। साथ ही साथ यह समझ भी पैदा हो सकेगी कि मानवअधिकार नैतिक अधिकार का हिस्सा है या वैधानिक अधिकार का?

दर्शनशास्त्र विभाग

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं सीखने के परिणाम

तृतीय सेमेस्टर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

2021—22

तृतीय सेमेस्टर

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – I	PHL-CC-321	भारतीय ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –A	5 0 0 5
कोर कोर्स – II	PHL-CC-322	पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –A	5 0 0 5
कोर कोर्स – III	PHL-CC-323	भारतीय तर्कशास्त्र –A	5 0 0 5
		इलेक्टिव कोर्स	
इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-EC-321	पर्यावरण दर्शन	4 0 0 4
इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-EC-322	मानव अधिकार दर्शन	4 0 0 4
इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-EC-323	धर्मदर्शन	4 0 0 4
		ओपन इलेक्टिव कोर्स	
ओपन इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-OE-325	व्यावहारिक नीतिशास्त्र	2 0 0 2
ओपन इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-OE-326	तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति	2 0 0 2
ओपन इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-OE-327	धर्मदर्शन	2 0 0 2
ओपन इलेक्टिव कोर्स -IV	PHL-OE-328	मानव अधिकार दर्शन	2 0 0 2
ओपन इलेक्टिव कोर्स -V	PHL-OE-329	**महामति प्राणनाथ का समन्वयात्मक धार्मिक–दर्शन**	2 0 0 2

भारतीय ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –A

कोर्स	**पेपर कोड**	**प्रश्नपत्र का नाम**	L T P C
कोर कोर्स – I	PHL-CC-321	भारतीय ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा – A	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य दर्शन के विद्यार्थियों में दर्शन के विभिन्न परम्पराओं में ज्ञान के प्रमाणों एवं उनके स्वरूप के सन्दर्भ में गहरी समझ विकसित करना है। साथ ही साथ विभिन्न दार्शनिक परम्पराओं में ज्ञान की सिद्धि और निर्धारण के लिए कैसे प्रमाण–सम्पलव, प्रमाण–व्यवस्था की गई है, आदि का ज्ञान कराना है। ज्ञान के स्वरूप के सन्दर्भ में ख्यातिवाद के विभिन्न प्रकार एवं आयामों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराना है। यह पाठ्यक्रम उच्च प्रशासनिक प्रतियोगिता परीक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी ज्ञान के प्रमाणों के प्रकार उनके स्वरूप आदि से परिचित हो सकेंगे। विद्यार्थी भारतीय ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा की विधाएँ जैसे ज्ञान इन्द्रिय प्राप्यकारित्व है या अप्राप्यकारित्व, प्रमाण्यवाद, प्रमाण–सम्पलव एवं प्रमाण–व्यवस्था, ख्यातिवाद के विभिन्न स्तर आदि विभिन्न सिद्धान्तों से परिचित हो सकेंगे।

पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –A

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – II	PHL-CC-322	पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –A	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
यह पाठ्यक्रम पाश्चात्य दर्शन के ज्ञानमीमांसा एवं तत्तवमीमांसा में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए सृजित है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को 'ज्ञान की समस्या', 'ज्ञान के प्रकार', 'ज्ञान की सीमाएँ' एवं 'सत्यापन का सिद्धान्त' आदि के विषय में पाश्चात्य दृष्टिकोण से अवगत कराना है। साथ ही साथ प्रत्यक्ष प्रमाण सम्बन्धी सिद्धान्त जैसे वस्तुवाद, प्रतिनिधानवाद, एवं संवृत्तिवादी सिद्धान्तों के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित करना है।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थियों में पाश्चात्य दृष्टिकोण से ज्ञान के सम्बन्ध में जैसे सत्यापन का सिद्धान्त, गेटियर के दृष्टिकोण में ज्ञान की समस्या, काण्ट के अनुसार प्राग्नुभविक संश्लेषणात्मक निर्णय की अवधारणा एवं प्रत्यक्ष सम्बन्धी महत्वपूर्ण सिद्धान्तों (वस्तुवाद, प्रतिनिधानवाद, एवं संवृत्तिवादी) के विषय में गहरी समझ विकसित हो सकेगी।

भारतीय तर्कशास्त्र -A

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – III	PHL-CC-323	भारतीय तर्कशास्त्र –A	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य भारतीय तर्कशास्त्र की विशेषताओं को उजागर करना तथा पाश्चात्य तर्कशास्त्र से किस तरह यह भिन्न हैं यह समझना है। साथ ही भारतीय तर्कशास्त्र, प्रमाणशास्त्र व तत्वशास्त्र के अपृथकता के सम्बन्ध को समझना है। जैसा कि विदित है तर्कशास्त्र का सम्बन्ध परोक्ष ज्ञान अनुमान से है चाहे भारतीय तर्कशास्त्र हो या पाश्चात्य। इस प्रश्नपत्र में भारतीय तर्कशास्त्र के दो प्रमुख दार्शनिक सम्प्रदाय न्याय दर्शन एवं बौद्ध दर्शन में अनुमान के स्वरूप प्रकार आदि को समझना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। विद्यार्थियों को भौतिकता से परे आध्यात्मिक या सूक्ष्म चिन्तन की ओर अग्रसर करना भी इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

परिणाम :

इस प्रश्न पत्र का अध्ययन सफलतापूर्वक पूर्व करने पर विद्यार्थी भारतीय तर्कशास्त्र के तत्वमीमांसा एवं प्रमाणमीमांसा के साथ अपृथकता के सम्बन्ध को समझ पायेंगे। पाश्चात्य तर्कशास्त्र से भेद भी स्पष्ट करने में सक्षम होंगे। न्याय एवं बौद्ध दर्शन के अनुसार अनुमान की अवधारणा को समझकर विद्यार्थी तर्कशास्त्र के वास्तविक दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करेगा। और विद्यार्थी सूक्ष्म एवं अमूर्त चिन्तन की ओर अग्रसर होगा।

पर्यावरण दर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-EC-321	पर्यावरण दर्शन	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम का निर्माण मुख्य रूप से यह दृष्टिगत रखते हुए किया गया है कि पर्यावरणीय समस्या किसी एक देश या सीमित क्षेत्र की नहीं है, वरन् सम्पूर्ण विश्व की है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह है कि इस समस्या पर न जहाँ एक ओर केवल पाश्चात्य जगत के विचारक प्लेटो अरस्तू, रूसो, देकार्त आदि के द्वारा विचार किया गया है तो वहीं भारतीय परम्परा के अन्तर्गत हिन्दू, जैन, एवं बौद्ध परम्परा के गम्भीर दृष्टिकोणों से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थी विश्व में व्याप्त पर्यावरणीय समस्या से अवगत हो सकेंगे। साथ ही साथ मनुष्य एवं प्रकृति के मध्य सम्बन्धों के प्लेटो, अरस्तु, हीगेल और गाँधी सम्बन्धी आदि के विचारों एवं हिन्दू, जैन, बौद्ध, इस्लाम और ईसाईयत के विचारों को भी समझ सकेंगे। उनमें भातिकवादी दृष्टिकोण के वजाय अध्यात्मवादी दृष्टिकोण पनप सकेगा।

मानव अधिकार दर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-EC-322	मानव अधिकार दर्शन	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
यह पाठ्यक्रम अधिकारों के सम्बन्ध में दर्शन एवं संविधान की भूमिका से अवगत कराने से उद्देश्य से निर्मित किया गया है। विद्यार्थियों में मौलिक अधिकार, कर्तव्य, अधिकार के सम्बनध में सरकारी और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका से परिचय कराना है। साथ ही साथ अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार संरक्षण सम्बन्धी संस्थाओं की भूमिका के बारे में भी जागरूकता प्रसारित करना है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से दर्शनेत्तर विद्यार्थियों के लिए है ताकि वे दर्शन की भूमिका से अवगत हो सकें।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थी अधिकारों के संरक्षण के सम्बन्ध में भारतीय संविधान की भूमिका से परिचित हो सकेगा। साथ ही साथ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सरकारी और गैर सरकारी मानवअधिकार संरक्षण संस्थाओं के सम्बन्ध में परिचित हो सकेगा। साथ ही साथ यह समझ भी पैदा हो सकेगी कि मानवअधिकार नैतिक अधिकार का हिस्सा है या वैधानिक अधिकार का?

धर्म दर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-EC-323	धर्मदर्शन	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य धर्मों के प्रति दार्शनिक समझ को विद्यार्थियों में विकसित करना है। साथ ही साथ किसी भी धर्म के मूलभूत तत्त्वों जैसे धार्मिक विश्वास का स्वरूप, विशेष रूप से मानव जीवन में धर्म का स्थान, ईश्वर के तात्विक एवं नैतिक गुणों, आत्मा की अमरता, अशुभ की समस्या और जीवन के चरम लक्ष्य इत्यादि से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने से छात्रों को धार्मिक अन्धविश्वास, परम्पराओं और रूढिवाद से उनकी चेतना मुक्त हो सकेगी और धार्मिक सहिष्णुता एवं सद्भावपूर्वक जीवन जीने की समझ व कला विकसित हो सकेगी। साथ ही साथ छात्र यह भी सुनिश्चित कर सकेंगे कि मानव जीवन में धर्म का क्या स्थान है?

व्यावहारिक नीतिशास्त्र

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
ओपन इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-OE-325	व्यावहारिक नीतिशास्त्र	2 0 0 2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेषकर दर्शन एवं दर्शनेत्तर विद्यार्थियों को व्यवहारिक समस्याओं जैसे – जैव नीतिशास्त्र, व्यवसासिक नीतिशास्त्र और विधि–व्यवसाय सम्बन्धी नीतिशास्त्र के विभिन्न गंभीर पक्षों से अवगत कराना है। साथ ही साथ इन समस्याओं के सन्दर्भ में विद्यार्थियों में अपना नैतिक पक्ष प्रस्तुत करने एवं नैतिक निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करना है।

परिणाम :

पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थियों में व्यवहारिक समस्याओं जैसे – जैव नीतिशास्त्र, व्यवसासिक नीतिशास्त्र और विधि–व्यवसाय सम्बन्धी नीतिशास्त्र आदि जो कि समाज एवं प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व को निर्धारित करती हैं, उनके सन्दर्भ में उनकी उचितता एवं अनुचितता के पक्ष में विद्यार्थियों में नैतिक निर्णय लेने की क्षमता विकसित हो सकेगी।

तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धतियॉ

कोर्स	**पेपर कोड**	**प्रश्नपत्र का नाम**	**L T P C**
ओपन इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-OE-326	तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति	2 0 0 2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
तर्कशास्त्र और गणित के आधारभूत नियम आज प्रतियोगी परीक्षाओं के अंग हैं। इस बात को दृष्टिगत रखते हुए इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। ताकि जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं उन्हें इस पाठ्यक्रम से अध्ययन में सहायता प्राप्त हो।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम का अध्ययन सफलतापूर्वक करने पर विद्यार्थयों में शुद्ध तार्किक चिन्तन की क्षमता का विकास होगा। युक्ति के आकार व परीक्षण विधि को समझकर सही और गलत युक्तियों में भेद करना आसान होगा। प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र की समझ विकसित होने वा भाषा की अस्पष्टता तो दूर होगी ही भाषा का सरलीकरण व संक्षेपीकरण भी होगा।

मिल की विधियाँ कार्य कारण विधि की खोज में सहायक होगीं। जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं उन्हें सफलता दिलाने में इस प्रश्नपत्र का अध्ययन सहायक सिद्ध होगा।

धर्मदर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
ओपन इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-OE-327	धर्मदर्शन	2 0 0 2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य धर्मों के प्रति दार्शनिक समझ को विद्यार्थियों में विकसित करना है। साथ ही साथ किसी भी धर्म के मूलभूत तत्त्वों जैसे धार्मिक विश्वास का स्वरूप, विशेष रूप से मानव जीवन में धर्म का स्थान, ईश्वर के तात्विक एवं नैतिक गुणों, आत्मा की अमरता, अशुभ की समस्या और जीवन के चरम लक्ष्य इत्यादि से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने से छात्रों को धार्मिक अन्धविश्वास, परम्पराओं और रूढिवाद से उनकी चेतना मुक्त हो सकेगी और धार्मिक सहिष्णुता एवं सद्भावपूर्वक जीवन जीने की समझ व कला विकसित हो सकेगी। साथ ही साथ छात्र यह भी सुनिश्चित कर सकेंगे कि मानव जीवन में धर्म का क्या स्थान है?

मानव अधिकार दर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
ओपन इलेक्टिव कोर्स -IV	PHL-OE-328	मानव अधिकार दर्शन	2 0 0 2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
यह पाठ्यक्रम अधिकारों के सम्बन्ध में दर्शन एवं संविधान की भूमिका से अवगत कराने से उद्देश्य से निर्मित किया गया है। विद्यार्थियों में मौलिक अधिकार, कर्तव्य, अधिकार के सम्बनध में सरकारी और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका से परिचय कराना है। साथ ही साथ अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार संरक्षण सम्बन्धी संस्थाओं की भूमिका के बारे में भी जागरूकता प्रसारित करना है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से दर्शनेत्तर विद्यार्थियों के लिए है ताकि वे दर्शन की भूमिका से अवगत हो सकें।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थी अधिकारों के संरक्षण के सम्बन्ध में भारतीय संविधान की भूमिका से परिचित हो सकेगा। साथ ही साथ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सरकारी और गैर सरकारी मानवअधिकार संरक्षण संस्थाओं के सम्बन्ध में परिचित हो सकेगा। साथ ही साथ यह समझ भी पैदा हो सकेगी कि मानवअधिकार नैतिक अधिकार का हिस्सा है या वैधानिक अधिकार का?

महामति प्राणनाथ का समन्वयात्मक धार्मिक–दर्शन

कोर्स	**पेपर कोड**	**प्रश्नपत्र का नाम**	L T P C
ओपन इलेक्टिव कोर्स -V	PHL-OE-329	महामति प्राणनाथ का समन्वयात्मक धार्मिक–दर्शन	2 0 0 2

उद्‌देश्य :

यह प्रश्नपत्र विशेष रूप से बहुधार्मिक समाज में धार्मिक सहिष्णुता की सक्रिय आत्मचेतना को प्रोन्नत करने हेतु तैयार किया गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह प्रश्नपत्र महामति प्राणनाथ के सामाजिक–सांस्कृतिक एवं धार्मिक समन्वय सम्बन्धी विचारों को समझने के लिए अध्ययन सामग्री प्रदान करता है।

परिणाम :

इस प्रश्नपत्र को पढ़ने से विद्यार्थी महामति प्राणनाथ के धर्म–दर्शन से परिचित हो सकेंगे। और साथ ही साथ विद्यार्थियों में सर्वधर्म समन्वय और बहुधार्मिक समाज की नैतिकता की समझ विकसित हो सकेगी।

दर्शनशास्त्र विभाग

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं सीखने के परिणाम

चतुर्थ सेमेस्टर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

2021—22

चतुर्थ सेमेस्टर

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – I	PHL-CC-421	भारतीय ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –B	5 0 0 5
कोर कोर्स – II	PHL-CC-422	पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –B	5 0 0 5
कोर कोर्स – III	PHL-CC-423	भारतीय तर्कशास्त्र –B	5 0 0 5
		इलेक्टिव कोर्स	
इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-EC-421	पर्यावरण दर्शन	4 0 0 4
इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-EC-422	मानव अधिकार दर्शन	4 0 0 4
इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-EC-423	विश्व के धर्म और धार्मिक एकता	4 0 0 4

भारतीय ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –B

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – I	PHL-CC-421	भारतीय ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –B	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा के अन्तर्गत ज्ञान के विभिन्न साधनों से अवगत कराना है। साथ ही साथ वैदिक एवं गैर वैदिक परम्पराओं में कारणता सिद्धान्त जैसे कि सत्कार्यवाद, असत्कार्यवाद और प्रतीत्यसमुत्पादवाद आदि सिद्धान्तों से सम्बन्धित सम्वाद परम्परा से विद्यार्थी को परिचित कराना है। जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में द्वन्द्वात्मक पद्धति की समझ विकसित हो सकेगी।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने पर विद्यार्थियों में वैदिक एवं गैर वैदिक परम्पराओं के कारणता सिद्धान्तों जैसे कि सत्कार्यवाद, असत्कार्यवाद और प्रतीत्यसमुत्पादवाद आदि सिद्धान्तों की गहरी समझ उत्पन्न हो सकेगी। विशेष रूप से विद्यार्थी अद्वैत वेदान्त के आत्मवाद और बौद्ध दर्शन के नैरात्मवाद एवं नागार्जुन की चतुष्कोटिक परीक्षा पद्धति और कारणता का खण्डन जैसे दुरूह सिद्धान्तों की समझ से परिचित हो सकेंगे। यह पाठ्यक्रम उच्च प्रशासनिक सेवा की परीक्षा के दृष्टिकोण से विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है।

पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –B

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – II	PHL-CC-422	पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा –B	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा के अन्तर्गत ज्ञान के विभिन्न सिद्धान्त एवं पक्षों से अवगत कराना है। विद्यार्थियों को ज्ञान की सत्यता को स्थापित करने वाले अनेक पाश्चात्य सिद्धान्त जैसे संवादिता, संसक्तता, अर्थक्रियावादी आदि से अवगत कराना है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी देश–काल की समस्या, आत्मा के सम्बन्ध में प्लेटो एवं देकार्त के दृष्टिकोण को जानने के साथ कारणता विषयक सिद्धान्त एवं सामान्य विषयक मुख्य सिद्धान्तों के विषय में जान सकेंगे।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक अध्ययन करने पर विद्यार्थियों में पाश्चात्य दर्शन जगत के अनेक सिद्धान्तों जैसे अन्यमनस् की समस्या, सत्यता सम्बन्धी सिद्धान्त, देश–काल की समस्या, सामान्य विषयक – वस्तुवादी एवं प्रत्ययवादी आदि मुख्य सिद्धान्तों की गहरी समझ उत्पन्न हो सकेगी। विशेष रूप से विद्यार्थी आभास एवं सत्, ब्रेडले का दृष्टिकोण एवं आत्मा की अवधारणा, प्लेटो एवं देकार्त के दृष्टिकोण को और कारणता विषयक एवं सामान्य विषयक जैसे दुरूह सिद्धान्तों की समझ से परिचित हो सकेंगे। यह पाठ्यक्रम उच्च प्रशासनिक सेवा की परीक्षा के दृष्टिाकोण से विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है।

भारतीय तर्कशास्त्र -B

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
कोर कोर्स – III	PHL-CC-423	भारतीय तर्कशास्त्र –B	5 0 0 5

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य भारतीय तर्कशास्त्र की विशेषताओं को उजागर करना तथा पाश्चात्य तर्कशास्त्र से किस तरह यह भिन्न हैं यह समझना है। साथ ही भारतीय तर्कशास्त्र, प्रमाणशास्त्र व तत्वशास्त्र के अपृथकता के सम्बन्ध को समझना है। जैसा कि विदित है तर्कशास्त्र का सम्बन्ध परोक्ष ज्ञान अनुमान से है चाहे भारतीय तर्कशास्त्र हो या पाश्चात्य। इस प्रश्नपत्र में भारतीय तर्कशास्त्र के दो प्रमुख दार्शनिक सम्प्रदाय न्याय दर्शन एवं बौद्ध दर्शन में अनुमान के स्वरूप प्रकार आदि को समझना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। विद्यार्थियों को भौतिकता से परे आध्यात्मिक या सूक्ष्म चिन्तन की ओर अग्रसर करना भी इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

परिणाम :
इस प्रश्न पत्र का अध्ययन सफलतापूर्वक पूर्व करने पर विद्यार्थी भारतीय तर्कशास्त्र के तत्वमीमांसा एवं प्रमाणमीमांसा के साथ अपृथकता के सम्बन्ध को समझ पायेंगे। पाश्चात्य तर्कशास्त्र से भेद भी स्पष्ट करने में सक्षम होंगे। न्याय एवं बौद्ध दर्शन के अनुसार अनुमान की अवधारणा को समझकर विद्यार्थी तर्कशास्त्र के वास्तविक दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करेगा। और विद्यार्थी सूक्ष्म एवं अमूर्त चिन्तन की ओर अग्रसर होगा।

पर्यावरण दर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -I	PHL-EC-421	पर्यावरण दर्शन	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम का निर्माण मुख्य रूप से यह दृष्टिगत रखते हुए किया गया है कि पर्यावरणीय समस्या किसी एक देश या सीमित क्षेत्र की नहीं है, वरन् सम्पूर्ण विश्व की है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह है कि इस समस्या पर न जहाँ एक ओर केवल पाश्चात्य जगत के विचारक प्लेटो अरस्तू, रूसो, देकार्त आदि के द्वारा विचार किया गया है तो वहीं भारतीय परम्परा के अन्तर्गत हिन्दू, जैन, एवं बौद्ध परम्परा के गम्भीर दृष्टिकोणों से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थी विश्व में व्याप्त पर्यावरणीय समस्या से अवगत हो सकेंगे। साथ ही साथ मनुष्य एवं प्रकृति के मध्य सम्बन्धों के प्लेटो, अरस्तु, हीगेल और गाँधी सम्बन्धी आदि के विचारों एवं हिन्दू, जैन, बौद्ध, इस्लाम और ईसाईयत के विचारों को भी समझ सकेंगे। उनमें भातिकवादी दृष्टिकोण के वजाय अध्यात्मवादी दृष्टिकोण पनप सकेगा।

मानव अधिकार दर्शन

कोर्स	पेपर कोड	प्रश्नपत्र का नाम	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -II	PHL-EC-422	मानव अधिकार दर्शन	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :
यह पाठ्यक्रम अधिकारों के सम्बन्ध में दर्शन एवं संविधान की भूमिका से अवगत कराने से उद्देश्य से निर्मित किया गया है। विद्यार्थियों में मौलिक अधिकार, कर्तव्य, अधिकार के सम्बनध में सरकारी और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका से परिचय कराना है। साथ ही साथ अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार संरक्षण सम्बन्धी संस्थाओं की भूमिका के बारे में भी जागरूकता प्रसारित करना है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से दर्शनेत्तर विद्यार्थियों के लिए है ताकि वे दर्शन की भूमिका से अवगत हो सकें।

परिणाम :
इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थी अधिकारों के संरक्षण के सम्बन्ध में भारतीय संविधान की भूमिका से परिचित हो सकेगा। साथ ही साथ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सरकारी और गैर सरकारी मानवअधिकार संरक्षण संस्थाओं के सम्बन्ध में परिचित हो सकेगा। साथ ही साथ यह समझ भी पैदा हो सकेगी कि मानवअधिकार नैतिक अधिकार का हिस्सा है या वैधानिक अधिकार?

विश्व के धर्म और धार्मिक एकता

कोर्स	**पेपर कोड**	**प्रश्नपत्र का नाम**	L T P C
इलेक्टिव कोर्स -III	PHL-EC-423	विश्व के धर्म और धार्मिक एकता	4 0 0 4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

आज धर्म के नाम पर दिखावा व पाखंड ज्यादा है। धर्म की ओर व्यक्ति जिस आत्म कल्याण व लोक कल्याण की भावना से उन्मुख होता था कहीं न कहीं अधिकांशतः वे उद्देश्य कहीं खो गये हैं साथ ही झूठी धार्मिक कट्टरता के वशीभूत कई धार्मिक समस्याएँ आज अपना रौद्र रूप दिखा रही हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। जिससे विद्यार्थी धर्म की सही अवधारणा, धर्म की महत्ता व विभन्न भारतीय मूल के एवं सभी मूलक धर्मों का परिचय प्राप्त कर सकें। साथ ही विभिन्न धार्मिक समस्याओं के निदान के लिए दर्शनशास्त्र में दी गई विभिन्न अवधारणाओं को इस पाठ्यक्रम के द्वारा समझ सकें।

परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त :

1. विद्यार्थी धर्म की सही अवधारणा एवं मानव जीवन में इसके औचित्य को समझ सकेंगे।
2. धर्म की उत्पत्ति के विभन्न सिद्धान्तों को समझकर यह समझ
3. विभिन्न धर्मों के आधारभूत सिद्धान्तों को समझकर उनके सही रूप के प्रति समझ बड़ेगी व सभी धर्मों में नैतिक व मानवीय मूल्यों में एकता नजर आयेगी।
4. विभिन्न धार्मिक समस्याओं के प्रति समझ विकसित होगी वह इन समस्याओं से निजात दिलाने वाले सिद्धान्तों के प्रति जागरूकता आयेगी।